जागृति सिंह 19-09-2020

11.5/ 0.00

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 (a)

वह वर्ण जो संयुक्त वर्ण बनाने में प्रयोग किए जाते हैं, अर्थात आधा वर्ण।
उदाहरण – ट, व, ट आदि।

1.5

1 b

प्रारूप का अर्थ → कच्चा मसौदा
किसी कार्यालय में पत्राचार के विभिन्न माध्यम जैसे पत्र, परिपत्र, आदेश आदि प्रयोग किए जाते हैं, इन्हें अंतिम रूप देने से पहले लिपिक द्वारा जो प्रथम ढांचा तैयार किया जाता है वह प्रारूप कहलाता है।

0

1 c

संज्ञा के प्रकार – 5

जातिवाचक, भाववाचक, व्यक्तिवाचक, पुरुषवाचक, गुणवाचक

0

1 D

राजस्थानी, कन्नौजी, मगधी

1/2

1 C

मुहावरा	लोकोक्ति
→ यह वाक्यांश है। → वर्षों का अनुभव, संस्कृति आदि का द्योतक।	पूर्ण वाक्य है। पुरातन काल से जन लोक में व्याप्त।
→ अंत में 'ना' → उदा.→ दांतों तले चने चबाना।	अंत में 'ना' नहीं। उदा. अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।

2

1 B

→ गोविन्द वल्लभ पंत

→ 30 सदस्य

→ हिन्दी के प्रयोग एवं शासकीय प्रयोजनों में उपयोग बढ़ाने के संबंध में।

2

1 9

बहुव्रीहि समास	कर्मधारय समास
उपमेय एवं उपमेय किसी अन्य की ओर संकेत करते हैं।	उपमेय और उपमान रहते है।
तीसरे व्यक्ति/वस्तु की विशेषता बताते हैं	प्रथम पद विशेषता, द्वितीय पद विशेष्य
उदा - दशानन- दश आनन वाला – रावण	उदा → मृगलोचन – मृग के समान लोचन

3

1 5 संविधान के भाग 17 में भारतीय भाषा के अनुच्छेद 344 (1) से 344 (6) में राजभाषा समिति व आयोग का प्रावधान है।

2

1 11 जो विशेषण के भी विशेषता बताते हैं उन्हें प्रविशेषण कहते हैं।

उदाहरण - राम बहुत तेज दौड़ता है।

प्रविशेषण

2

– लाईन से बाहर न लिखे

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 1 1

तत्सम – संस्कृत के समान या ज्यों का त्यों;
जो शब्द हिन्दी भाषा में संस्कृत के ज्यों के त्यों प्रयोग किए जाते हैं उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं।
उदाहरण – दिवस, रात्रि आदि।

तद्भव – संस्कृत से लिए गए,
वह शब्द जो दूसरी भाषाओं – अंग्रेजी, संस्कृत, फारसी आदि से हिन्दी में परिवर्तित रूप में प्रयोग में लिए जाते हैं, उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।
उदाहरण – पुष्प – फूल, हस्त – हाथ आदि

प्रश्न संख्या: 1 5

वह व्यंजन जो व्यंजनों के मिलने से बनते हैं, संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं।
उदाहरण – क् + ष = क्ष
क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 1 6

जो लिखा जाता है वही बोला जाता है।

1 | 2

① जो लिखा जाता है वही बोला जाता है।

② एक वर्ण के लिए एक ध्वनि।

③ न्यून से न्यून ध्वनि को भी लिखा जा सकता है।

2

1 | 3

लाघव चिन्ह (^) → जब लिखते समय कोई शब्द, वाक्यांश छूट जाता है तो इसका प्रयोग किया जाता है।

उदा → राजा ^[मिश्र] का सेवक है।

योजक चिन्ह (-) → द्वन्द्व समास, किसी विलोम को समझाने आदि में प्रयुक्त।

उदा → माता-पिता ; निम्नलिखित —

1

उद्धरण (" ", ' ') → किसी की रचना, नाम, वाक्य आदि के लिए दोहरे उद्धरण चिन्ह तथा किसी के वक्तव्य के लिए दोहरे उद्धरण चिह्न का प्रयोग किया जाता है।

उदा – 'कामायनी', 'राम', 'भारत' आदि

2

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

1 (n)

किसी घटना, प्रयोजन, गंभीर विषय, कार्यक्रम आदि पर का अध्ययन, निरीक्षण, चिंतन कर तथ्यों का समायोजन तथा वस्तुस्थिति से अवगत कराते हुए, सुझाव सहित प्रस्तुत दस्तावेजों को प्रतिवेदन कहते हैं।

यह एक सदस्य या बहुसदस्य; मौखिक व लिखित द्वारा; मनोनित व चयनित; स्थायी व अस्थायी भी प्रस्तुत की जा सकती है।

2

1 (o)

ध्वनि भाषा को वर्णों के माध्यम से लिखने की क्रिया लिपि कहलाती है। अर्थात भाषा का लिखित रूप लिपि है।

उदाहरण – देवनागरी लिपि, फारसी लिपि आदि

2

आर्य परिवार की भाषाएं → द्रविड़, भारोपीय

1 (p)

देश व राज्य में राजभाषा में प्रयुक्त

1 17

देश व राज्य में राजकाज में प्रयुक्त होने वाली भाषा राजभाषा कहलाती है। यह भारतीय भाषा होती है, जो राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय दोनों में मानी है।

भारत की राजभाषा हिन्दी है, जिसे 14 सितम्बर 1949 को अपनाया था।

1953

1.5

1 4

संस्कृत (वैदिक काल) 1500 ई.पूर्व - 5 ईसवी तक)
↓
पाली (5-2 ई.पू)
|
प्राकृत (ई. 7 ई.)
↓
अपभ्रंश (7-14 ई.)
↓
अवहट्ट (14-18 ई.)
|
हिन्दी (18 ई. से अब तक)

2

1 5

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान

1

2

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

८ (क)

मानक भाषा शिक्षित वर्ग द्वारा बोले जाने वाली परिनिष्ठित, प्रामाणिक, व्याकरण सम्मत, शुद्ध भाषा है।

मानक भाषा शासकीय कार्यों में भी प्रयोग की जाती है।

2

1 (ख)

किसी विषय, वस्तु, घटना, कार्यक्रम आदि को वह रूप जिसमें उसकी महत्वपूर्ण, सारगर्भित, उद्देश्यात्मक बातें रहें और व्यर्थ की बातों को निकाल दिया जाए — संक्षेपण कहलाता है।

1-5

Boundries of castes changes due to political and economic factors. Even ~~of small~~ caste regarded as small will get status of high level after getting political power and e with economic prosperity untouchables will be get status of merchants ; there are so many example we have.

Moreover, influence of political and economic factors is more than religious movement. It seems real when caste in India get political dignity and economic freedom ~~they will go towards~~ than only their welfare is assured. They all are son of god is proved earlier, but they dont get any benefit from it.

2

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या: 3

हम जानते हैं इस बात को कि भारतीय देश में कई बुराईयां सम्मिलित हैं। भ्रष्टाचार, रिश्वत तथा कुप्रथाएं / कुरीतियां हर जगह पाए जाते हैं। ... तक आम इन्सान ही नहीं बल्कि सबसे उत्तरदायी ... भी बस गंभीरी ... का हिस्सा हैं। यह जरूरी है कि इसे खत्म किया जाए। पर हम अपने विद्यार्थियों और युवाओं से यह गुजारिश करना चाहते हैं कि यह रचनात्मक क्रियाओं से संभव है, विध्वंसक क्रियाओं से नहीं। ... यह है कि जहां तक संभव हो सके, विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई ... ध्यान देना चाहिए, राजनीति आदि के चक्कर में। ज्ञान और पढ़ाई आदमी की सबसे बड़ी पूंजी है। जिसे खोने पर हमें कुछ नहीं मिलता सिवाए धक्कों के; और फिर भी ... और युवाओं को देश को पुनर्निर्मित करने की इच्छा है तो ... तैयार हैं उनका स्वागत बहुत खुशी और गर्व के साथ करने के लिए हम तैयार हैं।

87

4

समीक्षा

तुलसी - जीवन ज्ञान

रामचरितमानस के उत्तरकांड में गरुड़ ने काकभुशुंडि से सात प्रश्न पूछे थे जो प्रश्न मानवीय अस्तित्व के बुनियादी प्रश्न-उत्तर हैं। गरुड़ का एक प्रश्न है - बड़ दुख कवन, कवन सुख भारी अर्थात सबसे बड़ा दुख और सुख किसे माना जाता था। वे कहते हैं अर्थात दरिद्र के समान कोई दुख नहीं और संत मिलन के समान सुख जग नहीं है। तुलसी ने सम्पन्नता से मुक्त जीवन को सुखी बताया है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

पल्लवन

"बड़ दुख कवन, कवन सुख भारी"

उक्त वाक्य गरुड़ द्वारा पूछा गया काकभुशुण्डि से पूछे गये 7 प्रश्नों में से एक है। इसका अर्थ है कि सबसे बड़ा दुख एक कवि होने का है क्योंकि एक कवि संसार में व्याप्त हर पीड़ा को परखता व समझ सकता है किन्तु दूसरी ओर एक कवि होना सबसे सुखी भी है क्योंकि एक कवि की आत्मा संतुष्ट, तृप्त एवं दूरदर्शी होती है।

प्रश्न संख्या: 5 (ई)

दरिद्रता के समान कोई दुख नहीं और संत मिलन के समान कोई सुख नहीं है।

उक्त वाक्य का अर्थ है कि एक दरिद्र जिसके पास कुछ नहीं है वह सबसे ज्यादा दुखी है क्योंकि उसके अंदर अनगिनत कामनाएँ, इच्छाएँ व लालसा छुपी हुई हैं। जो कि सभी दुखों का कारण होती हैं। एक दरिद्र व्यक्ति की कामना सदैव जीवन में आगे बढ़ने की रहती है, जिस कारण वह कोई प्रयत्न भी करता है, और न पाने पर दुखी होता है। किंतु एक संत का व्यक्ति मोह-माया का त्याग कर देता है उसे न जीवन से प्रेम रहता है न मृत्यु का भय, न सुख की चिंता न मोह की (इच्छा, लोभ लालसा) जीकर, अर्थात एक संत जीवन स्वतंत्र होता है और अनिवार्य सुखी रहता है।

उससे यह भी माना जा सकता है कि जो व्यक्ति दूसरों के लिए अपना जीवन समर्पित कर देता है वह सुखी रहता है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

5

1. अभियोग → Impeachment

4. अध्यादेश - Ordinance

5. पदोन्नति - Promotion

8. अधिनियम - Act

10. उपभोक्ता - Consumer

15

6.

6.

कलेक्टर कार्यालय, इंदौर

क्रमांक – /क.क.इं/2020

इंदौर, दिनांक ____

कार्यालय आदेश

विश्वव्यापी कोविड-19 के बढ़ते संक्रमण को ध्यान में रखते हुए तथा नागरिकों के जीवन को सुचारु रूप से यापन हेतु यह आदेशित किया जाता है कि इंदौर जिला की सम्पूर्ण सीमाओं के अंदर संपूर्ण दुकानें सुबह 8:00 बजे से 2: बजे तक ही खोली जावेगी। इस आदेश से आपातकालीन सेवाओं (खाद्य, दवाई, मेडिकल, दूध इत्यादि) को छूट रहेगी।

जिले में सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन तथा उस आदेश की अवहेलना पाए जाने पर कार्यवाही की जावेगी।

क, ख ग

कलेक्टर

इंदौर

इंदौर, दिनांक ____

क्रमांक /क.क.इं/2020

प्रतिलिपि –

समस्त कार्यालय ___

पुलिस अध्यक्ष इंदौर।

कलेक्टर

इंदौर

प्रश्न संख्या 7

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 घी के दिए जलाना – बहुत खुश होना

कोरोना काल के बाद बाजार में अब प्रकाश देख निवेशकों के तो घी के दिए जल रहे हैं।

5 सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज – इतनी गलती पर पुण्य की कामना

चीन का भारत की सीमा पर कब्जा करना और फिर व्यापार हेतु वार्ता की पेशकश लगाता है जैसे सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज।

6 ईंट से ईंट बजाना – जैसे को तैसा करना

पाकिस्तान द्वारा लगातार बढ़ते आतंकवाद, कश्मीर में युवा हिंसा आदि के चलते अनुच्छेद 370 हटाना, बिल्कुल ईंट से ईंट बजाने जैसा था।

संख्या

10 अक्ल का चरने जाना — बुद्धि का प्रयोग न करना

बढ़ते कोरोना संक्रमण के बाद भी लोगों का मास्क न पहनना तथा सामाजिक दूरी का पालन न करना देखकर ऐसा लगता है कि मानो अक्ल चरने गयी है।

3 गूलर का फूल होना — बदल जाना

राजनेताओं का रवैया चुनाव के समय और चुनाव के बाद ऐसा बदल जाता है जैसे हो गूलर का फूल हो।

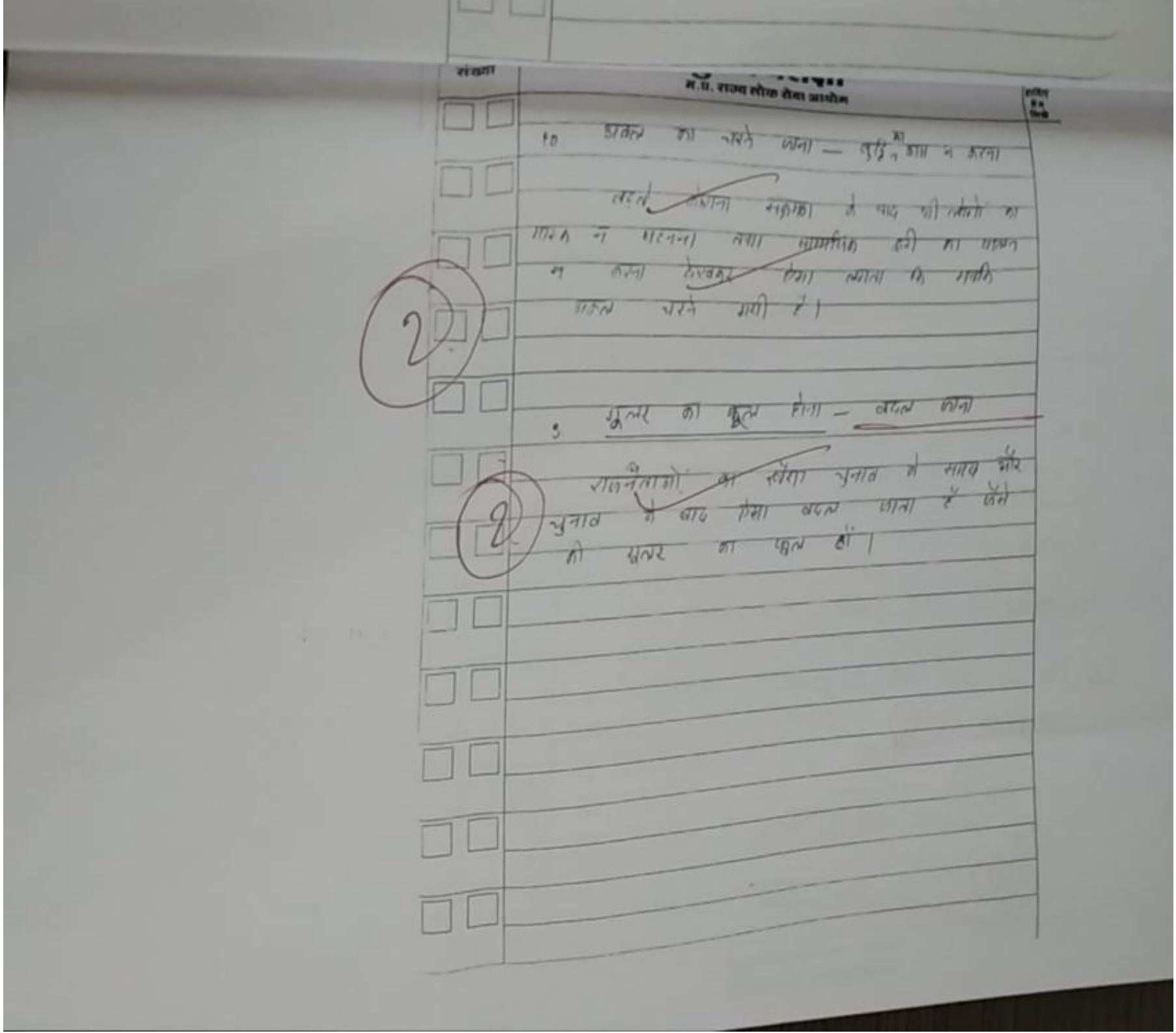

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या	
६	

3 वस्त्र → कपड़े, चीर, अंबर (2)

5 ज्ञान – शिक्षा, जानना, बुद्धि (2)

10 नाविक → नौ + इक (1) : संधि

2 अठन्नी → आठ आनों का सिक्का (1)

4 कृष्णार्पण → कृष्ण को अर्पण (2)

9 | 1 मुद्रा का महत्व

2 मुद्रा का लाभ सभी उठा सकते है जब इसके बदले अन्य वस्तुएँ या सेवा ली जा सकें।

3 मुद्रास्फीति का अर्थ है - वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य में वृद्धि। अत्यधिक मुद्रा को बहुत कम चीजों की माँग तो मुद्रास्फीति बढ़ती है। जब निश्चित मात्रा में मूल्य बढ़ते है और [illegible] को प्रभावित करते हैं।

4 मुद्रा प्रसार किन तरीके से बढ़ती है —

1. जब सरकार केन्द्र बैंक से अपने खर्चे के लिए उधार ले।
2. जब निजी क्षेत्र बैंकों से उधार ले।
3. जब निर्यात में वृद्धि हो
4. जब भारतीय विदेश (प्रवासीय) भारतीय धन भेजते हैं।
5. जब [illegible] मांग में परिवर्तित हो जाती है।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा

म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

8

जब मुद्रा की पूर्ति बढ़ जाती है जिससे मांग की अधिक बढ़ोत्तरी होती है किन्तु जब मांग उत्पादन से ज्यादा हो जाती है तो मुद्रास्फीति बढ़ जाती है।

2

दिनांक ___

भारतीय विद्या मंदिर

क्रमांक- /अई./आ वेधा/ 2020

दिनांक ___

प्रति,

क, ख, ग

दयानंद विद्यालय

विषय - पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि बावत।

प्रिय,

विषयांतर्गत आपको अवगत कराना चाहूंगा की हमारे विद्यालय में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है, और इस वर्ष मुख्य अतिथि के पद हेतु मैं आपको आमंत्रित करना चाहूंगा।

आशा है कि आप हमारे विद्यालय में मुख्य अतिथि बनकर अवश्य पधारेंगे।

क ख.ग

आचार्य

भारतीय विद्या मंदिर

7.5